किसी को राम किसी को श्याम,किसी को घनश्याम प्यारा है | By Sukh Sagar

किसी को राम किसी को श्याम,किसी को घनश्याम प्यारा है
मुझे वो शीश का दानी,वो बाबा श्याम प्यारा है
किसी को राम किसी को श्याम ,,,,,,,,,,,,

उठा करा देखिये श्री श्याम की अद्भुत कहानी को
युद्ध में हरा नहीं पाया कोई भी शीश के दानी को
किसी को राम किसी को श्याम ,,,,,,,,,,,,

लगा दरबार बैठा है प्रभु की शान क्या कहना
ये जिस पर हो गया राज़ी दिया वरदान क्या कहना
किसी को राम किसी को श्याम ,,,,,,,,,,,,

शरण में आ गया जो भी निभाना ही पड़ा इसको
उसे दरबार के काबिल बनाना ही पड़ा इसको
किसी को राम किसी को श्याम ,,,,,,,,,,,,

मेरा मालिक है बनवारी बिठाया है जिसे दिल में
हमेशा ध्यान रखता है पड़ा हूँ जब भी मुश्किल में
किसी को राम किसी को श्याम ,,,,,,,,,,,,

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%b8%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%b8%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae%e0%a4%95/